



देश और व्यापार

4 जुलाई 2026, शनिवार

बीकानेर

कोलकाता

जयपुर

दिल्ली

दुबई

भारतीय संत परंपरा के उज्ज्वल नक्षत्र थे गुरुदेव श्री तुलसी : बोथरा

बीकानेर। गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस के उपलक्ष में आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान, नैतिकता का शक्तिपीठ की ओर से त्रिदिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में बोथरा भवन में मुनि श्री अमृत कुमार जी के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के ऊर्जावान अध्यक्ष श्री गणेशमल बोथरा ने कहा कि सैकड़ों वर्षों में ऐसी विरल और अद्वितीय घटना घटित होती है जब धरती पर तुलसी सरीखे संत पैदा होते हैं। जिन्होंने अपने जीवन में इतने-इतने अवदान जन मानस के लिए सृजित किये जिनसे सम्पूर्ण मानव जाति लाभान्वित हुयी। नैतिक क्रांति, मानसिक शांति और व्यक्तित्व निर्माण की पृष्ठभूमि पर आचार्य श्री ने तीन अभियान चलाए - अणुव्रत आन्दोलन, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान। ये तीनों ही अभियान अनुपम



हैं, अपूर्व हैं और अपेक्षित हैं। अणुव्रत जाति, लिंग, रंग सम्प्रदाय आदि के भेदों से ऊपर उठकर मानव मात्र को चारित्रिक मूल्यों के संकट से उबारने का उपक्रम है।

प्रेक्षाध्यान मानसिक एवं शारीरिक तनावों से ग्रसित मानवीय चेतना को शक्ति के पथ पर अग्रसर कर रहा है। जीवन विज्ञान के प्रयोग व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है एवं शैक्षिक जगत की समस्याओं का समीचीन समाधान है। वे सचमुच क्रान्तिकारी और विलक्षण प्रतिभा संपन्न महान संत थे। छोटी वय में दीक्षा लेकर और फिर मात्र 22 वर्ष में संघ के आचार्य बनकर हर क्षेत्र में विकास के नए-नए आयाम उद्घाटित किये इसीलिए उन्हें भारतीय संत

परंपरा के उज्ज्वल नक्षत्र के रूप में पहचाना जाता है।

मीडिया प्रभारी श्री धर्मेन्द्र डाकलिया, श्री दीपक आँचलिया, श्री मनोज सेठिया, श्री विनोद भंसाली ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री करनीदान रांका ने मंगलाचरण में म्हारे हिवडे रा हार बसग्या सुरगा में जार गीतिका से किया। जयश्री भूरा ने स्व रचित कविता का संगान किया। श्रीया गुलगुलिया और संजू लालाणी ने गुरुदेव के अवदान उपासक श्रेणी के बारे में बतलाया। मधुर गायक श्री चैनरूप छाजेड, श्री मनोज छाजेड, श्री निर्मल बैद ने भाव पूर्ण गीत को प्रस्तुत कर वातवरण मंत्र मुग्ध कर दिया।